# मोहिनी एकादशी व्रत कथा

www.janbhakti.in

# मोहिनी एकादशी व्रत कथा

एक समय की बात है, भद्रवती नामक एक समृद्ध राज्य में धृतिमान नामक राजा हुआ करता था। उसके खजानची धनपाल के पांच बेटे थे, जिनमें से धृष्टबुद्धि नामक एक बच्चा बुरी संगत में रहकर दुष्कर्मों में लिप्त हो गया था। वह जुआ, मांस और शराब का सेवन करता था, और अंत में उसने अपनी सम्पत्ति को बर्बाद कर दिया। इसके बाद उसके पिता ने उसे घर से निकाल दिया। धृष्टबुद्धि चोरी करने लगा और उसे कैद की सजा हुई। जेल से छूटने के बाद, वह एक वन में रहने लगा और शिकार करने लगा। एक दिन वह ऋषि कौंडिन्य के आश्रम में पहुंचा, जहां उसने अपने पापों के लिए क्षमा मांगी और वहां के संतों ने उसे मोहिनी एकादशी व्रत का पालन करने की सलाह दी।

धृष्टबुद्धि ने व्रत का पालन किया और उसे अपने सभी पापों से मुक्ति मिल गई। अंत में, वह विष्णु लोक, भगवान विष्णु की धाम, में पहुंच गया। इसलिए, मोहिनी एकादशी (Mohini Ekadashi) व्रत का पालन करने से मान्यता है कि भक्तों को सभी पापों से मुक्ति मिलती है और वे मोक्ष प्राप्त करते हैं।